पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, बुधवार, 23 सितम्बर, 2020 | वर्ष-13 | अंक-168 | पृष्ठ-10 | मूल्य - 4.00 रुपए

यमुना को इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी का मिली सौगात

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 22 सितम्बर (देशबन्धु)। इंटर नेशनल एयरपोर्ट के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे शहर को फिल्म सिटी के रूप में प्रदेश सरकार ने विकास के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा सौगात दिया है। फिल्म सिटी बनने प्रदेश के उभरते कलाकारों को अब मुंबई के बजाय अपने ही प्रदेश में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। इससे रोजगार के साथ निवेश का बड़ा रास्ता खुलेगा। यमुना एक्सप्रेस-वे ने उत्तर प्रदेश सरकार के फिल्म सिटी बनाने का फैसला लेने के बाद तत्काल इस पर अमल किया। दूसरे दिन यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-21 में एक हजार एकड़ जमीन भी चिह्नित कर ली। इसका प्रस्ताव बनाकर रविवार को ही शासन को भेज दिया दिया था। प्रस्ताव में यीडा सिटी की तमाम खूबियां भी बताई गई हैं। जबकि ग्रेटर नोएडा व नोएडा प्राधिकरण की तरफ से भी प्रस्ताव भेजा गया। आखिरकार मंगलवार को लखनऊ में हुई बैठक में फिल्म निर्माताओं व निर्देशकों को यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण का प्रस्ताव पसंद आया। मुख्यमंत्री ने यमुना प्राधिकरण के ही प्रस्ताव पर मोहर लगा दिया।

यमुना प्राधिकरण के प्रस्ताव में यमुना एक्सप्रेस वे से सटे सेक्टर-21 में 1000 एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी बसाने की बात कही गई है। फिल्म सिटी के लिए जमीन औद्योगिक दर पर आबंटित की जाएगी। यमुना प्राधिकरण ने फिल्म स्टूडियो के हिसाब से जमीन

यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी की स्थापना होने से यहां पर रोजगार व निवेश के हिसाब से बहुत बड़ा फायदा मिलेगा।
डॉ. अरूणवीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

- कनेक्टिविटी व लोकेशन के हिसाब से यमुना एक्सप्रेस-वे शहर बेहतर लगा
- यमुना एक्सप्रेस-वे शहर में अब निवेश व रोजगार के खुलेंगे असीम द्वार

आबंटन को छह श्रेणी में बांटा है। छोटे प्लॉट (4000 वर्ग मीटर तक) का रेट ज्यादा (6670 रुपए प्रति वर्ग मीटर) है और बड़े प्लॉट का रेट (80 हजार वर्ग मीटर से बड़े प्लॉट) का रेट कम (4050 रुपए प्रति वर्ग मीटर) तय किया गया है। कुल 1000 एकड़ जमीन में से 780 एकड़ एरिया में औद्योगिक और 220 एकड़ एरिया में व्यवसायिक गतिविधि की अनुमति होगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण ने जिस जगह फिल्म सिटी प्रस्तावित की है वहां से प्रस्तावित नोएडा एयरपोर्ट छह किलोमीटर पर स्थित है। यह सेक्टर-21 यमुना एक्सप्रेस वे के पास भी स्थित है। लोकेशन के लिहाज से यह बहुत बेहतर सेक्टर है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे से इसकी दूरी 12 किलोमीटर है। यहां से शूटिंग के लिए मथुरा, आगरा, जयपुर जैसे शहरों में आसानी से जा सकते हैं। यमुना एक्सप्रेस वे के जीरो प्वाइंट (परी चौक के पास) से यह सेक्टर 21 किलोमीटर पर स्थित है। इसके अलावा स्टेट हाइवे 33 (मथुरा-आगरा-रायबरेली), स्टेट हाइवे 80 (मथुरा-आगरा) और स्टेट हाइवे 22ए (पलवल-अलीगढ़) भी इसके पास से गुजरता है। यमुना प्राधिकरण ने बिजली के लिए 765 केवी सबस्टेशन और सेक्टर 32 में प्रस्तावित 400 केवी बिजलीघर का भी जिक्र किया है। पानी के लिए ट्यूबवेल पर्याप्त उपलब्ध हैं।

फिल्म सिटी बनाए जाना एक ऐतिहासिक कदम : धीरेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री का जेवर विधानसभा क्षेत्र में फिल्म सिटी बनाए जाने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि जेवर विधानसभा में प्रस्तावित जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी बनाए जाने की तोहफा पूरे उत्तर प्रदेश को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया। यह जेवर विधानसभा का सौभाग्य है कि जब से योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली सरकार प्रदेश में आयी है, तब से जेवर विधानसभा उत्तरोत्तर (लगातार) प्रगति के पथ पर है। उन्होंने कहा कि सेटर-21 में फिल्म सिटी की स्थापना से पूरे उत्तर भारत, विशेषकर एनसीआर क्षेत्र के उन कलाकारों को, जिनकी प्रतिभा अवसर न मिल पाने के कारण दबी की दबी रह जाती थी, अब उनका कौशल रास्ता मिलने से कामयाबी हासिल करेगा। फिल्म सिटी की स्थापना से अप्रत्यक्ष व प्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगारों का सृजन होगी तथा क्षेत्र की तरक्की होगा एंव लोगों का जीवन स्तर उन्नत होगा।